प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं0 120/2016)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 30 दिसंबर, 2016

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

"30 सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण ने 30 सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए **"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"** जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जुलाई, 2016 से 30 सितंबर, 2016 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण हेतु कृपया संपर्क करें –

श्रीमती विनोद कोतवाल,
सलाहकार (एफएण्डईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011–2323 0752
फैक्स–011–232 36650
ई–मेल : advfea1@trai.gov.in

जारी करने के लिए प्राधिकृत

शैलेन्द्र कुमार मिश्र

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
जुलाई से सितंबर, 2016

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2016 के अंत में 1,059.86 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2016 के अंत में 1,074.24 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.36 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर 5.05 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। देश में 30 जून, 2016 को समग्र दूरसंचार घनत्व 83.20 से बढ़कर 30 सितंबर, 2016 को 84.09 हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

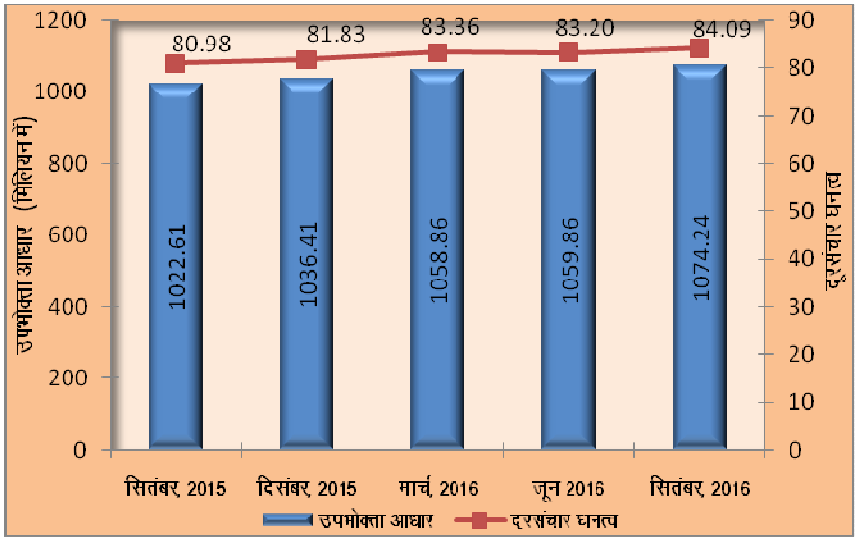

2. जून, 2016 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 609.45 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2016 के अंत में 624.38 मिलियन हो गया तथा इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 153.22 से बढ़कर 156.24 हो गया। ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 450.41 मिलियन से घटकर 449.86 मिलियन हो गया तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी इसी अवधि के दौरान 51.41 से घटकर 51.24 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी जून, 2016 के अंत तक 42.50 प्रतिशत से घटकर सितंबर, 2016 के अंत तक 41.88 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

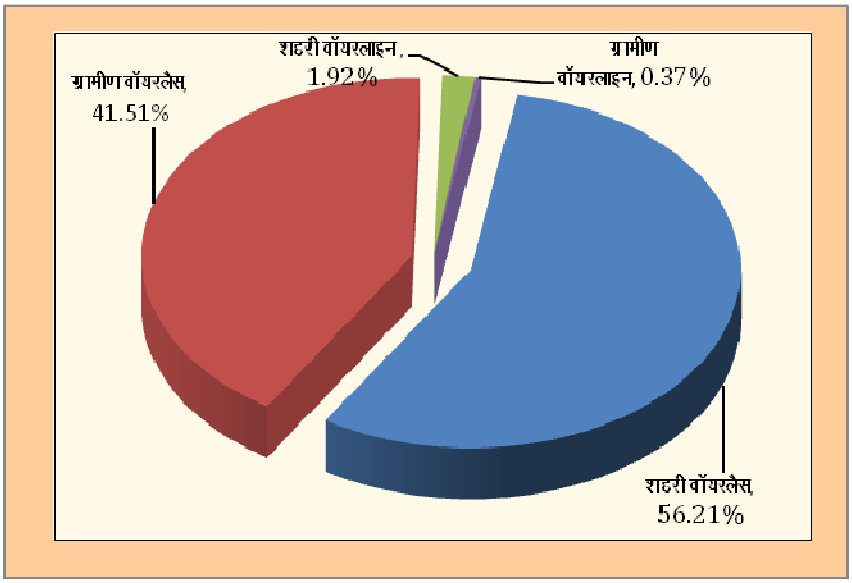

4. इस तिमाही के दौरान 14.63 मिलियन निवल नए उपभोक्ताओं के जुड़ने के साथ ही जून, 2016 के अंत तक कुल वॉयरलैस (जीएसएम+सीडीएमए) उपभोक्ताओं का आधार 1,035.12 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2016 के अंत तक 1,049.74 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सितंबर, 2016 के लिये वॉयरलैस उपभोक्ताओं की वार्षिक वृद्धि दर 5.33 प्रतिशत रही।

5. वायरलैस दूरसंचार घनत्व जून, 2016 के अंत में 81.26 से बढ़कर सितंबर, 2016 के अंत में 82.17 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2016 के अंत में 24.74 मिलियन से और अधिक घटकर सितंबर, 2016 के अंत में 24.49 मिलियन हो गया तथा इसमें 1.01 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। सितंबर, 2016 के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 5.62 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व जून, 2016 के अंत में 1.94 से और घटकर सितंबर, 2016 के अंत में 1.92 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या जून, 2016 के अंत में 350.48 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2016 के अंत में 367.48 मिलियन हो गई जिसमें 4.85 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। 367.48 मिलियन में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 21.26 मिलियन तथा वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 346.22 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

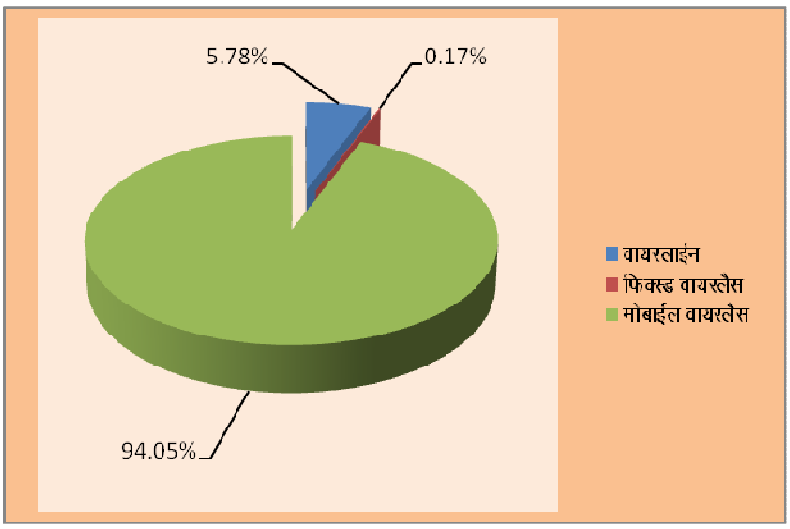

9. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2016 के अंत में 162.06 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2016 के अंत में 192.30 मिलियन हो गई जिसमें 18.66 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

10. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2016 के अंत में 188.42 मिलियन से घटकर सितंबर, 2016 के अंत में 175.18 मिलियन रह गई जिसमें 7.03 प्रतिशत की तिमाही कमी दर दर्ज की गई।

11. जीएसएम सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 4.02 प्रतिशत तिमाही ह्रास के साथ जून, 2016 को समाप्त तिमाही के 126 रुपए से घटकर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 121 रुपए हो गया। जबकि जीएसएम सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 0.98 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

12. जीएसएम सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू जून, 2016 को समाप्त तिमाही में 108 रुपए से घटकर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 103 रुपए हो गया तथा प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू

जून, 2016 को समाप्त तिमाही में 495 रुपए से घटकर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 485 रुपए हो गया।

13. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह जून, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 377 से घटकर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 366 हो गया।

14. जीएसएम प्रीपेड सेवा के लिए एमओयू प्रति उपभोक्ता जून, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 351 से घटकर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 339 हो गया तथा पोस्ट–पेड एमओयू जून, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 889 से घटकर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 885 हो गया।

15. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) जून, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 98.51 रुपए से बढ़कर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 154.05 रुपए हो गई। सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 45ण्05 प्रतिशत की दर से बढ़ गया।

16. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी हेतु कुल एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह में 18.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई अर्थात् जून, 2016 को समाप्त तिमाही में 228 से बढ़कर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 269 हो गया। जून, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) एमओयू 130 से बढ़कर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 145 हो गया और अंतर्गामी (इनकमिंग) एमओयू जून, 2016 को समाप्त तिमाही में 98 से बढ़कर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 124 हो गया।

17. सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 71,379 करोड़ रुपए तथा 50,539 करोड़ रुपए रहा। सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 2.68 प्रतिशत की तथा एजीआर में 5.33 प्रतिशत की कमी दर दर्ज की गई।

18. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) क्रमशः 9.82 तथा 9.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

19. सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार मार्च तिमाही में 19,961 करोड़ रुपए से बढकर 20,839 करोड़ रुपए हो गया। सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 4.40 प्रतिशत तथा 11.21 प्रतिशत रही।

20. जून, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 4,314 करोड़ रुपए से घटकर सितंबर, 2016 में 4,090 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः –5.18 तथा 10.54 प्रतिशत रही।

21. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 82.47 प्रतिशत का योगदान दिया। सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क तथा स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) में क्रमशः 2.68 प्रतिशत, 5.33 प्रतिशत, 5.18 प्रतिशत, तथा 13.05 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई जबकि पास–थ्रू प्रभारों में 4.40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

22. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) जून, 2016 को समाप्त तिमाही में 140.88 रुपए से घटकर सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 131.10 रुपए हो गया।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

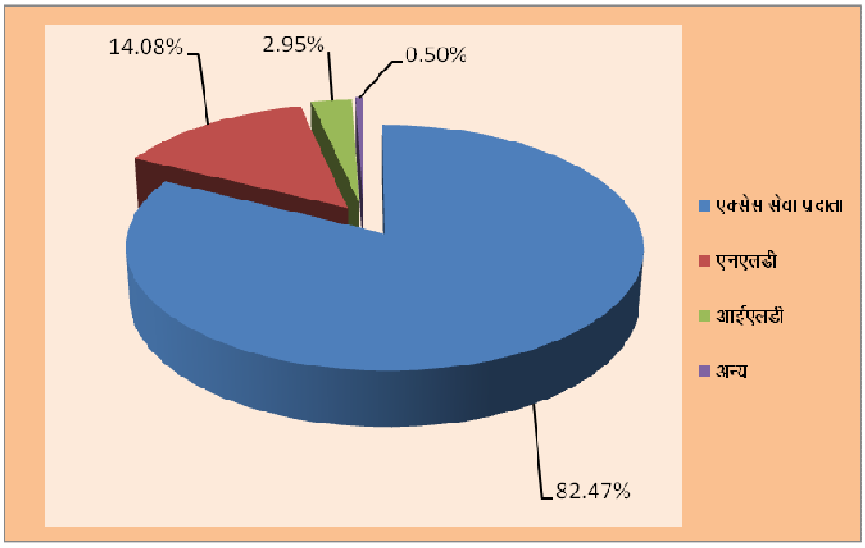

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में 2जी वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया हैः–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• बीटीएस एक्युमुलेटेड डॉऊनटाईम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) • डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीटीएस • कॉल सेट–अप सफलता दर (लाइसेंसधारी के स्वयं के नेटवर्क के भीतर) • एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कंजेशन • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • शिकायतों के समाधान की तिथि से उपभोक्ता के खाते में राशि जमा/छूट दिए जाने/समायोजन किये जाने की अवधि • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय	• 3 प्रतिशत टीसीएच ड्रॉप (कॉल ड्रॉप) दर से अधिक, सर्वाधिक प्रभावित सेल • प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्सन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –प्रीपेड • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (चार सप्ताह के भीतर 98 प्रतिशत) • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (छह सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत) • कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच

24. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में 3जी वायरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया हैः

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड
• डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीटीएस तथा नोड–बी (प्रतिशत) • एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल तथा आरआरसी कंजेशन (प्रतिशत) • 3 प्रतिशत टीसीएच ड्रॉप (कॉल ड्रॉप) दर से अधिक, सर्वाधिक प्रभावित सेल तथा सर्किट स्वीच्ड वॉयस ड्रॉप दरः– (सीबीबीएच) • अच्छी आवाज की गुणवत्ता के साथ कनेक्शन एवं सर्किट स्वीच्ड वॉईस क्वालिटी (सीएसवी क्वालिटी)

25. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (चार सप्ताह के भीतर 98 प्रतिशत) • 90 सैकिण्ड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस–टू–वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • 7 दिनों के भीतर 100 प्रतिशत सेवा को समाप्त/बंद किया जाना	• दोष की घटनायें (प्रति महिना प्रति 100 उपभोक्ताओं पर दोषों की संख्या) • शहरी क्षेत्रों में अगले कार्य दिवस तक दोष सुधार • पांच दिनों के अंदर मीन टाईम फॉल्ट सुधार (शहरी क्षेत्रों के लिए) • ग्राहकों के सहायता हेतु जवाबी समय – कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच

26. दिनांक 30.09.2016 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केबल अपलिकिंग/डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग के लिये 881 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

27. प्रसारकों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 30 जून, 2016 की स्थिति के अनुसार 275 पे–चैनलों के मुकाबले 30 सितंबर, 2016 की स्थिति के अनुसार कुल 281 पे–चैनल थे। सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के दौरान बारह नए पे–चैनलों को आरंभ किया गया, पांच पे–चैनल को फ्री टू एयर चैनल में परिवर्तित कर दिया गया तथा एक पे–चैनल को बंद कर दिया गया।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। डीटीएच के पंजीकृत उपभोक्तओं की संख्या लगभग 94.61 मिलियिन पहुॅच गया है जिसमें 61.90 मिलियन सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या शामिल है। सितंबर, 2016 के अंत तक इस उपभोक्ताओं की संख्या 6 पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राप्त की गई है। यह संख्या दूरदर्शन के डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

29. ऑल इंडिया रेडियो, प्रसार भारती–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा दिनांक 30 सितंबर, 2016 की स्थिति के अनुसार कुल 260 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे हैं। अंतर्विष्ट जानकारी सूचना और प्रसारण मंत्रालय के वेबसाईट पर दी गई सूचना के आधार पर प्रदान की गई है।

33. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 सितंबर, 2016 को अब तक जारी किये गये 250 सामुदायिक रेडियो लाइसेंसों में से 200 स्टेशन ही चल रहे हैं।

मुख्य बातें

30 सितंबर, 2016 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलैस+वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,074-24 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.36 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	624.38 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	449.86 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.32 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.68 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	84.09
शहरी दूरसंचार घनत्व	156.24
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	51.24
वॉयरलैस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,049.74 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.41 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	603.80 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	445.94 मिलियन
जीएसएम उपभोक्ताओं की संख्या	1,032.77 मिलियन
सीडीएमए उपभोक्ताओं की संख्या	16.97 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.72 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.28 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	82.17
शहरी दूरसंचार घनत्व	151.10
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	50.80
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	24.49 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.01 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	20.57 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3.92 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	29.16 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	70.84 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.92
शहरी दूरसंचार घनत्व	5.15
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.45
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	5,86,774
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	5,08,236

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	71,379 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-2.68 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	50,539 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-5.33 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	9.28 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	131 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	367.48 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	4.85 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	175.18 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	192.30 मिलियन
वॉययलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.26 मिलियन
वॉयरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	346.22 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	247.69 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	119.79 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	28.77
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	61.98
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	13.65
प्रसारण और केबल सेवाएं	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	881
पे–टीवी चैनलों की संख्या	281
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या	260
पंजीकृत डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	94.61 मिलियन
एक्टिव डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	61.90 मिलियन
लाईसेंस प्राप्त कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	250
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	200
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	6
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	121 रुपए
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	154 रुपए
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट	366 मिनट
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट	269 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	267 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
जीएसएम हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	235.91 एमबी
सीडीएमए हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	385.00 एमबी
प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग–कुल (जीएसएम+सीडीएमए)	239.82 एमबी
जीएसएम सेवा के लिए प्रति एमबी बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) डाटा का मूल्य	0.18 रुपए
सीडीएमए सेवा के लिए प्रति एमबी बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) डाटा का मूल्य	0.12 रुपए